बाबा मुक्तानन्द द्वारा दी गई सिखावनियाँ २

ध्यान का, शक्तिपात का लक्ष्य ही है, अवर्णनीय आनन्द। जब तुम इस आनन्द का अनुभव करो तो अपने मन को उसमें पूर्णतया विलीन हो जाने दो।[१]

~ बाबा मुक्तानन्द

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

[१]स्वामी मुक्तानन्द, *From the Finite to the Infinite,* द्वितीय संस्करण, पृ ११३।
©१९९४ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।